अल्कोहल एवं प्रोहिबिशन पर एकमात्र हिन्दी मासिक पत्रिका

वर्ष-13, अंक-12, अगस्त 2023

आबकारी टाइम्स

केवल सदस्यों हेतु

प्रदेश के विकास को नया आयाम देगा एथेनॉल उद्योग

यूएस ग्रेन काउंसिल एथेनॉल उत्पादन में भागीदारी के लिए है उत्सुक

उत्तर प्रदेश

सीएम ने किया केयान एथेनॉल प्लांट का शिलान्यास

यूपी में अब बनेगी, जापानी क्राफ्ट बीयर

The Rise of Indian Single Malt Whisky

छत्तीसगढ़

ईडी ने किया शराब घोटाले की सीबीआई जांच की मांग

हरियाणा

आबकारी राजस्व में हुई 26 फीसदी की बढ़ोत्तरी

झारखण्ड

शराब बिक्री के लिए नहीं मिलीं प्लेसमेंट एजेंसी

तेलंगाना

आवेदन शुल्क से आबकारी ने कमाए ₹2,639 करोड़

प्रदेश के विकास को नया आयाम देगा एथेनॉल उद्योग

यूएस ग्रेन काउंसिल एथेनॉल उत्पादन में भागीदारी के लिए है उत्सुक

उत्तर प्रदेश डिस्टिलरी एसोसिएशन द्वारा आयोजित दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन लखनऊ के होटल सेंट्रम में 28 जुलाई को हुआ। यूएस ग्रेन काउंसिल के निदेशक रीस एच कैनेडी उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि थे। कार्यक्रम की शुरुआत में भारत और अमेरिका के राष्ट्रगान बजाए गए। इसके बाद मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर अंतरराष्ट्रीय शिखर सम्मेलन का उद्घाटन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता यूपीडीए अध्यक्ष एस.के. शुक्ला ने की। श्री शुक्ला ने अपने संबोधन में कहा कि यह दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन औद्योगिक इकाइयों के विकास में एक मील का पत्थर साबित होगा। इसके साथ ही उन्होंने एक नॉलेज रिपोर्ट भी साझा की।

उन्होंने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दूरदर्शिता की

बदौलत उत्तर प्रदेश को एथेनॉल क्षेत्र में ₹16,000 करोड़ से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम में देश में यूपी का सबसे बड़ा योगदान है। पिछले छह वर्षों में राजस्व ₹17,000 करोड़ से बढ़कर मार्च 2023 तक ₹41,000 करोड़ हो गया है। इसका श्रेय उद्योगपतियों, उद्यमियों, संघों को जाता है और साथ ही सरकार की सक्रिय और सकारात्मक दृष्टिकोण से ऐसा हुआ है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अल्कोहल सेक्टर ने महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में कदम उठाए हैं। भारत में औसतन 40% की वृद्धि हुई है जबकि यूपी में महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय 98% की वृद्धि हुई है।

श्री शुक्ला ने वर्तमान सरकार की शासन व्यवस्था पर कहा कि उद्योग 24x7 काम कर रहा है, कानून और व्यवस्था की स्थिति में सुधार और व्यापार करने में आसानी के कारण ऐसा सम्भव हुआ है। उन्होंने कहा कि व्यापार करने में आसानी के मामले में यूपी दूसरे स्थान पर है। 23 करोड़ की आबादी वाले उत्तर प्रदेश में उपभोक्ता आधार 16% है जो देश में सबसे अधिक है।

उपाध्यक्ष मनीष अग्रवाल ने कहा कि सरकार की नीतियों के कारण प्रदेश में निवेश लगातार बढ़ रहा है। टेक्निकल सेशन के दौरान महत्वूर्ण जानकारियां यहां साझा की गई हैं जिसका लाभ इंडस्ट्री और आम लोगों को होगा। उन्होंने बताया कि यूएस के साथ हमारा एक एग्रीमेंट है कि हम आपस में अपने तकनीकी जानकारियों को साझा करेंगे। इस अवसर पर मनीष अग्रवाल ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह के रूप में भगवान श्री राम की प्रतिमा भेंट की।

अमेरिका और भारत के बीच समझौता होने की संभावना

श्री रीस कैनाडी ने उद्योग में 40 साल की सेवा पूरी करने पर यूपीडीए को बधाई दी, साथ ही उल्लेख किया कि साल-दर-साल आसवन में 40% की वृद्धि एक उल्लेखनीय उपलब्धि है। भारत की क्षमताओं के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि प्रतिभा के विशाल समूह में अपार संभावनाएं हैं और जब ऊर्जा के सबसे सस्ते साधन एथेनॉल उत्पादन की बात आती है तो यूपी अग्रणी है। उन्होंने इस क्षेत्र में टेक्सास, अमेरिका और यूपी के विकास की तुलना की और कहा कि टेक्सास के बिना, अमेरिका सफल नहीं हो सकता और यूपी के बिना भारत सफल नहीं हो सकता।

उन्होंने समावेशी विकास के लिए डिस्टिलरी क्षेत्र की प्रशंसा की और कहा कि अमेरिकी किसान और अमेरिकी अनाज परिषद किसी भी संयुक्त कार्यक्रम में भाग लेने के लिए उत्सुक हैं, जिसमें वैकल्पिक स्रोतों से भारत में बड़े पैमाने पर एथेनॉल का उत्पादन किया जा सकता है।

रजनीश अग्रवाल ने विशिष्ट अतिथियों को आध्यात्मिक तुलसी का पौधा देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में रेडिको खेतान के एमडी अभिषेक खेतान और वेव डिस्टिलिरी के प्रेसीडेंट राजू चड्ढा सहित इंडस्ट्री के 300 से अधिक लोग शामिल हुए थे।

अल्कोहल सेक्टर यूपी के विकास का है महत्वपूर्ण हिस्सा

टेलरमेड रिन्यूएबल्स के धर्मेंद्र गोर ने कहा कि उत्तर प्रदेश ने एथेनॉल और एल्कोबेव के उत्पादन में गति हासिल की है और यह उत्तर प्रदेश के विकास की कहानी का हिस्सा है। उन्होंने इस क्षेत्र की सफलता का श्रेय योगी आदित्यनाथ सरकार और केंद्र को दिया, दोनों ने भारत सरकार के लक्ष्य को पूरा करने के लिए एथेनॉल उत्पादन बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश ने अल्कोहल क्षेत्र, निर्यात, राज्य उत्पाद शुल्क राजस्व में योगदान, एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम और अन्य सहित कई क्षेत्रों में 100 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है।

चुनौती है फीड स्टॉक की

रीग्रीन एक्सेल ईपीसी इंडिया के संजय देसाई ने कहा कि अवसर मौजूद होने के बावजूद यह चुनौतीपूर्ण समय था। उद्योग के सामने कई चुनौतियाँ थीं जैसे कच्चे माल की सोर्सिंग, आधुनिक मशीनरी की उपलब्धता, सुरक्षा मुद्दे आदि। सेमिनार समय पर है क्योंकि सरकार सहित सभी पक्षों से समर्थन की आवश्यकता है। एथेनॉल की मांग तो है, चुनौती केवल अनाज, गन्ना, गुड़ आदि जैसे फीडस्टॉक की उपलब्धता से संबंधित है।

दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में 300 से अधिक उद्योग पेशेवरों ने भाग लिया, जबकि प्रदर्शनी में लगभग 60 कंपनियों ने तेजी से बढ़ते क्षेत्र के लाभ के लिए अपने नवाचारों, उत्पादों और समाधानों का प्रदर्शन किया। पाँच 'नॉलेज सेशन' में विशेषज्ञों द्वारा फीडस्टॉक के साथ एथेनॉल उत्पादन के लिए नई प्रौद्योगिकी जैसे विषयों पर प्रस्तुतियाँ दी। नोवोजाइम्स के डॉ. विजय अदापा द्वारा 'किण्वन अनुकूलन' उन्नत खमीर के साथ एथेनॉल उत्पादन में यथास्थिति को बदलना तथा सुश्री पॉलीन ट्यूनिसन द्वारा इंजीनियरिंग यीस्ट और एंजाइमों के माध्यम से एथेनॉल उत्पादन

नवीन तकनीक को अपनाने में है डिस्टिलरी आगे

रेडिको खेतान के निदेशक (संचालन) और यूपीडीए इवेंट्स कमेटी के अध्यक्ष के.पी.सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश डिस्टिलर्स न केवल राज्य सरकार को पर्याप्त राजस्व में योगदान दे रहे हैं, बल्कि नवीन तकनीकों को भी अपना रहे हैं। यूपी कि डिस्टिलरी विशाल क्षमताओं और नवीनतम तकनीकों को अपनाने के लिए जानी जाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि राज्य अल्कोहल का अग्रणी उत्पादक है। उन्होंने व्यवसाय के विस्तार और फर्मेंटेशन के नए और उन्नत तरीकों को अपनाने के लिए क्षेत्र की सराहना की।

क्षमता में वृद्धि पर अपने ज्ञानवर्धक विचार रखे। मेडास इंजीनियरिंग के अभय चौधरी द्वारा ग्रेन डिस्टिलरी को 100 प्रतिशत शून्य तरल निर्वहन (जेडएलडी) पर अपने अनुभव शेयर किये। इस दौरान 21 विषयों पर विशेषज्ञों द्वारा नॉलेज शेयर किये गये।

यूपीडीए नॉलेज रिपोर्ट

यूपीडीए द्वारा राज्य में अलकोहल क्षेत्र सहित प्रदेश के सर्वांगीण विकास की रूपरेखा के रूप में इस अवसर पर एक नॉलेज रिपोर्ट जारी की जिसमें परत दर परत सभी विषयों पर प्रकाश डाला गया है। देश में सबसे बड़ा गन्ना और गेहूं उत्पादक और दूसरा सबसे बड़ा चावल उत्पादक होने के कारण उत्तर प्रदेश को 'देश के अन्न भंडार' के रूप में जाना जाता है। शीर्ष राज्यों में से एक बनाने की अपनी कोशिश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाली सरकार ने 2027 तक एक ट्रिलियन अर्थव्यवस्था बनने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए वह विभिन्न उद्योगों, बुनियादी ढांचे परियोजना विकास और कृषि उपज के

लिए लाल कालीन बिछा रही है। शराब और एथेनॉल उत्पादन एक ऐसा क्षेत्र है जो अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

वर्ष 2017-18 में यूपी में 60 डिस्टिलरी थीं, जिनकी कुल स्थापित क्षमता 161 करोड़ लीटर अल्कोहल उत्पादन की थी जो 2022-23 में 346 करोड़ लीटर अल्कोहल उत्पादन के साथ 85 डिस्टिलरी तक पहुंच गया, जो पांच वर्षों की अवधि में 115 प्रतिशत की वृद्धि है। जबकि पिछले एक साल में 20 ग्रेन डिस्टिलरी स्थापित हुई हैं, 20 और डिस्टिलरी पाइपलाइन में हैं जो अतिरिक्त 80 करोड़ लीटर अल्कोहल का उत्पादन करेंगी।

वैकल्पिक फीडस्टॉक से एथेनॉल के उत्पादन की अनुमति देने का निर्णय शराब उत्पादन के लिए प्राथमिक कच्चे माल के रूप में गन्ने और शीरे पर राज्य के पारंपरिक फोकस से एक महत्वपूर्ण बदलाव था। इससे इन पारंपरिक फीडस्टॉक्स पर डिस्टिलरी की निर्भरता को कम करने और आपूर्ति श्रृंखला में किसानों और अन्य हितधारकों के लिए नए व्यापार के अवसर पैदा करने में मदद मिली है।

यूपी 200 करोड़ लीटर से अधिक का अल्कोहल उत्पादन कर रहा है और अनाज से भी अल्कोहल उत्पादन में आमूल-चूल बदलाव आया है। इस अवधि में 20 से अधिक अनाज डिस्टिलरी लगभग 62 करोड़ लीटर अल्कोहल का उत्पादन कर रही हैं। अल्कोहल की मात्रा में दो साल से भी कम समय में 150 प्रतिशत की भारी वृद्धि हुई है। देश के महत्वाकांक्षी एथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम में यूपी का प्रमुख योगदान रहा है।

यूपीडीए के 40 साल

यूपीडीए के महासचिव, रजनीश अग्रवाल ने एसोसिएशन की साधारण शुरुआत से लेकर वैश्विक मानचित्र पर अपनी छाप छोड़ने तक की 40 साल की यात्रा के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि 1983 में जब एसोसिएशन का गठन हुआ था तब से यह इस क्षेत्र को आगे बढ़ाने के लिए राज्य और केंद्र सरकार, अनुसंधान संस्थानों और अंतरराष्ट्रीय समुदाय दोनों के साथ जुड़ने में सबसे आगे रहा है।

योगी आदित्यनाथ के गतिशील नेतृत्व में उत्तर प्रदेश राज्य 'असीमित अवसरों की भूमि' होने के साथ-साथ देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बन गया है।

उन्होंने बताया कि उत्तर प्रदेश निर्यात, राज्य उत्पाद शुल्क राजस्व में योगदान, एथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम और अन्य कई क्षेत्रों में 100 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की है। बेची गई 100 मिलियन मदिरा पेटियों में से लगभग 90 प्रतिशत का योगदान यूपीडीए के सदस्यों द्वारा किया जाता है। राज्य के खजाने में योगदान देने के अलावा, सदस्य डिस्टिलरीज लगातार अपने सीएसआर दायित्व का विस्तार कर रही हैं।